जयपुर, मंगलवार
19 मई 2015

स्कैन

ढाई साल में भी नहीं बना गर्ल्स हॉस्टल

अल्पसंख्यक मामलात विभाग

किराए के छात्रावास में रहने को मजबूर

सिटी रिपोर्टर

जयपुर ▷ 18 मई

अल्पसंख्यक विभाग की ओर से किराए पर चलाए जा रहे बालिका छात्रावास की छात्राओं को इस सत्र में फिर परेशान होना पड़ सकता है। ढाई साल से मानसरोवर शिप्रापथ पर निर्माणाधीन अल्पसंख्यक बालिका छात्रावास का इस सत्र से संचालन होने के आसार नजर नहीं आ रहे हैं, जबकि इसका मार्च में ही उद्घाटन होना था और अब मई का महीना आधा बीत गया, फिर भी छात्रावास का निर्माण पूरा नहीं हो पाया। हालांकि अधिकारी तो इसी सत्र से शुरू करने की बात कर रहे हैं।

नया सत्र शुरू होने में करीब डेढ़ महीना बाकी है और छात्राओं को इस बार भी इस छात्रावास में आसरा मिलने की उम्मीद नहीं है। गौरतलब है कि फिलहाल अल्पसंख्यक छात्रावास का लाभ उठाने वाली छात्राएं विभाग की ओर से किराए पर चलाए जा रहे छात्रावास में रह रही हैं। विभाग इनका किराया इतना कम देता है कि छात्राओं को पर्याप्त सुविधाएं नहीं मिल रहीं। पिछले साल भी छात्राओं को विभाग की खराब नीतियों की वजह से भटकना पड़ा था।

पिछले साल छात्राएं हुई थी परेशान

पिछले सत्र शुरू होने से पहले ही किराए से चल रहे घाटगेट स्थित बालिका छात्रावास के संचालक ने प्रति बालिका भुगतान कम देने पर विभाग को छात्रावास चलाने से मना कर दिया। इससे छात्रावास बंद कर दिया गया और 82 छात्राओं को भटकने पर मजबूर होना पड़ा। इसके बाद विभाग ने सोडाला स्थित एक छात्रावास में इंतजाम किया, यहां से भी सप्ताहभर में ही छात्राओं से भवन खाली करा लिया गया। इसके बाद फिर से घाटगेट स्थित छात्रावास में ही उन्हें शिफ्ट किया गया।

निर्माण कार्य तो लगभग पूरा हो गया, अब ये अंबाला बिल्डर्स लिमिटेड इसे जल्द ही विभाग को सौंप देगा। कागजी कार्रवाई के बाद इसमें छात्रावास संचालित हो सकेगा।
राजा अख्तर, सहायक निदेशक, अल्पसंख्यक मामलात विभाग